2023
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश :

(i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड – क

1. (क) निम्नलिखित में से हजारीप्रसाद द्विवेदी की रचना है : **[1]**
   (i) विचार और वितर्क (ii) बिल्लेसुर बकरिहा
   (iii) साहित्य का मर्म (iv) हिन्दी साहित्य की भूमिका

   (ख) निम्नलिखित में से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा लिखा निबन्ध है : **[1]**
   (i) तूच चन्दन हम पानी (ii) राष्ट्र का स्वरूप
   (iii) अशोक के फूल (iv) कविता क्या है ?

   (ग) 'अजातशत्रु' रचना की विधा है : **[1]**
   (i) संस्मरण (ii) आत्मकथा (iii) नाटक (iv) जीवनी

   (घ) 'अज्ञेय' की रचना है : **[1]**
   (i) मेरे विचार (ii) पृथ्वी पुत्र (iii) विचार-प्रवाह (iv) शेखर : एक जीवनी

   (ङ) 'बहादुर' कहानी के लेखक हैं : **[1]**
   (i) फणीश्वरनाथ 'रेणु' (ii) मुंशी प्रेमचन्द (iii) जैनेन्द्र कुमार (iv) अमरकान्त

2. (क) रामधारी सिंह 'दिनकर' प्रमुख कवि हैं : **[1]**

(i) प्रयोगवादी काव्यधारा के (ii) प्रगतिवादी काव्यधारा के
(iii) निर्गुण ज्ञानाश्रमी काव्यधारा के (iv) सगुण काव्यधारा के

(ख) 'बिहारी' की रचनाओं का छन्द है : **[1]**

(i) सवैया (ii) चौपाई (iii) दोहा (iv) कुण्डलिया

(ग) 'आँसू' रचना है : **[1]**

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर' की
(iii) जयशंकर प्रसाद की (iv) महादेवी वर्मा की

(घ) 'छायावाद' "स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है" कथन है : **[1]**

(i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी का (ii) गुलाब राय का
(iii) डॉ० धीरेन्द्र वर्मा का (iv) डॉ० नगेंद्र का

(ङ) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन कब हुआ ? **[1]**

(i) सन् 1940 (ii) सन् 1943 (iii) सन् 1951 (iv) सन् 1960

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[5 × 2 = 10]**

माता अपने सब पुत्रों को समान भाव से चाहती है। इसी प्रकार पृथ्वी पर बसने वाले जन बराबर हैं। उनमें ऊँच और नीच का भाव नहीं है। जो मातृभूमि के साथ जुड़ा हुआ है, वह समान अधिकार का भागी है। पृथ्वी पर निवास करने वाले जनों का विस्तार अनन्त है। नगर और जनपद, पुर और गाँव, जंङ्गल और पर्वत नाना प्रकार के जनों से भरे हुए हैं। ये जन अनेक प्रकार की भाषाएँ बोलने वाले हैं और अनेक धर्मों के मानने वाले हैं; फिर भी ये मातृभूमि के पुत्र हैं और इस कारण उनका सौहार्द भाव अखण्ड है। सभ्यता और रहन-सहन की दृष्टि से जन एक दूसरे से आगे-पीछे हो सकते हैं। किन्तु इस कारण से मातृभूमि के साथ उनका जो सम्बन्ध है उसमें भेदभाव नहीं हो सकता। पृथ्वी के विशाल प्रांगण में सब जातियों के लिए समान क्षेत्र है। समन्वय के मार्ग से भरपूर प्रगति और उन्नति करने का सबको एक जैसा अधिकार है। किसी जन को छोड़कर राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। अतएव राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें लेनी होगी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) समान अधिकार का भागी कौन है ?

(iv) पृथ्वी पर किसका विस्तार अनन्त है ?

(v) 'अनन्त' और 'जनपद' शब्द का अर्थ लिखिए।

अथवा

यदि यह नवीनीकरण सिफ कुछ पण्डितों की व आचार्यों की दिग्भागी कसरत ही बनी रहे, तो भाषा गतिशील नहीं होती। भाषा का सीधा सम्बन्ध प्रयोग से है और जनता से है। यदि नये शब्द अपने उद्गम स्थान पर ही अड़े रहें और कहीं भी उनका प्रयोग किया ना जावे तो उसके पीछे के उद्देश्य पर ही कुठाढ़ाघात होगा। इसके लिए यूरोपीय देशों में प्रेषण के कई माध्यम है ; श्रव्य दृश्य विधान, वैज्ञानिक कथा साहित्य आदि। हमारी भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक कथा साहित्य प्राप्य नहीं के बराबर है। किसी भी नये विधान की सफलता जनता की सम्मति व असम्मति के आधार पर निर्भर करती है, और जनता में इस चेतना को उजागर करने का उत्तरदायित्व शिक्षित समुदाय एवं सरकार का होना चाहिए।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) भाषा का सीधा सम्बन्ध किससे है ?

(iv) यूरोपीय देशों में शब्द प्रेषण के माध्यम कौन-कौन से हैं ?

(v) 'कुठाढ़ाघात' और 'प्रेषण' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[5 × 2 = 10]**

"निज जन्म-जन्म में सुने जीव यह मेरा
धिक्कार उसे था महास्वार्थ ने घेरा –"
"सौ बार धन्य वह एक लाल की माई
जिस जननी ने है जना भरत-सा भाई।"
पागल सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई
"सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।।"

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) कैकेयी स्वयं को धिक्कारती हुई क्या कहती हैं ?

(iv) कैकेयी के प्रायश्चित के बाद श्री राम उनसे क्या कहते हैं ?

(v) प्रभुराम के साथ कैकेयी के अपराध का अनुमोदन करती हुई सभा क्या चिल्ला उठी ?

अथवा

"कौन तुम ? संस्कृति – जलनिधि तीर
तरङ्गों से फेंकी मणि एक।
कर रहे निर्जन का चुपचाप
प्रभा की धारा से अभिषेक ?
मधुर विश्रान्त और एकान्त –
जगत का सुलझा हुआ रहस्य
एक करुणामय सुन्दर मौन
और चंचल मन का आलस्य।"

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) उपर्युक्त पंक्तियों में कौन किसका परिचय पूछ रहा है ?

(iv) कौन अपनी कान्ति से नीरवता को शोभामान कर रहा है ?

(v) 'प्रभा की धारा से अभिषेक' पंक्ति में कौन-सा अलङ्कार है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) प्रो० जी० सुन्दरी रेड्डी (iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) महादेवी वर्मा (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (iii) सुमित्रानंदन पन्त

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **[5]**

अथवा

'ध्रुवतारा' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **[5]**

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्वितीय विश्वयुद्ध' की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुर्योधन का चरित्रांकन कीजिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। **अथवा** 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधीजी का चरित्रांकन कीजिए।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र चित्रण कीजिए। **अथवा** 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या सर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। **अथवा** 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार का चरित्र चित्रण कीजिए।

खण्ड – ख

8. (क) दिए गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोद्भावनी, शब्दसन्दोहप्रसविनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नञ्च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति। अस्माकम् रामायणमहाभारताद्येतिहासिक ग्रन्थाः, चत्वारो वेदाः, सर्वाः उपनिषदाः, अष्टादशपुराणानि अन्यानि च महाकाव्यनाटचादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति।

अथवा

हिन्दीसंस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत्। हिन्दीहिन्दुहिन्
अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत्। शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति, अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत्। अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्। तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानाम् दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः प्रतिमूर्तिरिव विभाति। साधारणस्थितिरपि जनः महतोत्साहेन मनस्वितया पौरुषेण च असाधारणमपि कार्यं कर्तुं क्षमः। इत्यदर्शयत् मनीषिमूर्धन्यः मालवीयः एतदर्थमेव जनास्तं महामना इत्युपाधिना अभिधातुमारब्धवन्तः।

(ख) दिए गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षें प्रियवादिनम्।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्।।

अथवा

उदेति सविता ताम्रस्ताम्र एवास्तमेति च।
सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) अपना उल्लू सीधा करना (ii) ईद का चाँद होना (iii) काला अक्षर भैंस बराबर

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए : **[1]**

(i) 'रमेश' का सही सन्धि-विच्छेद है :

(अ) रमा + ईशः (ब) रमा + इशः (स) रमा + एशः (द) रमे + इशः

(ii) 'कवीन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) कवि + इन्द्रः (ब) कवि + ईन्द्रः (स) कवि + एन्द्रः (द) कवी + एन्द्रः

(iii) 'गायकः' में सही सन्धि विच्छेद है : **[1]**

(अ) गै + अकः (ब) गय + अकः (स) गाय + अकः (द) गाय + आकः

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प चुनिये : **[1]**

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है :

(अ) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन (ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन (स) तृतीया विभक्ति, एकवचन (द) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(ii) 'नाम्नः' शब्द में विभक्ति और वचन हैं : **[1]**

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन (ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (स) तृतीया विभक्ति, द्विवचन (द) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : **[1]**

(i) अनल – अनिल :

(अ) आग और हवा (ब) हवा और आग (स) शून्य और आग (द) हवा और पानी

(ii) अम्बुज – अम्बुद : **[1]**

(अ) बादल और समुद्र (ब) जल और बादल (स) कमल और बादल (द) समुद्र और कमल

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) गति (ii) तीर (iii) पयोधर

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) आशा से अधिक :

(अ) आशातीत (ब) आशा के विरुद्ध (स) आशा के अनुसार (द) आशाजनितम्

(ii) जानने की इच्छा रखनेवाला : **[1]**

(अ) जानकार (ब) ज्ञानी (स) जिज्ञासु (द) बुद्धिमान

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) व्यक्ति और समाज का घोर सम्बन्ध है। (ii) बेटी तो पराया धन होता है। (iii) चार कानपुर के व्यक्ति बोले। (iv) दरिद्रता जैसी शत्रु दूसरी नहीं है।

12\. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'वीर' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(-ख) 'उत्प्रेक्षा' अलंकार अथवा 'उपमा' अलंकार की परिभाषा देते हुए एक उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(ग) 'कुण्डलिया' छन्द अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

13\. किसी विद्यालय के प्रधानाचार्य को सहायक अध्यापक की भर्ती हेतु एक पत्र लिखिए। **[2 + 4 = 6]**

अथवा

किसी बैंक के प्रबंधक को अपने अध्ययन हेतु अल्प ब्याज में ऋण देने के लिये एक पत्र लिखिये। **[2 + 7 = 9]**

14\. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : **[2 + 7 = 9]**

(i) आजादी का अमृत महोत्सव (ii) नई शिक्षा नीति : 2020 – गुण-दोष (iii) पर्यावरण संरक्षण: आवश्यकता और महत्व (iv) मेरा प्रिय लेखक (v) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति